टहिरी बांध

चर्चा में क्यों?

24 सतिंबर, 2021 को टहिरी बांध जलाशय को पहली बार 830 मीटर ऊँचाई तक भरा गया।

प्रमुख बदिु

- गौरतलब है कि **टहिरी जलवद्युित परयिोजना** के तहत अभी तक इसे 828 मीटर तक ही भरा जाता है, कतिु अगस्त महीने में ही सरकार से अनुमति मलिने के बाद जल के स्तर में वृद्धि की गई। इससे टहिरी हाइड्रो प्रोजेक्ट अपनी पूरी क्षमता से वद्युित उत्पादन कर पाएगा।
- उल्लेखनीय है कि पारस्थितिकिीवदिों द्वारा हमिालयी क्षेत्र में बाँधों के नर्मिाण से आपदाओं की संभाव्यता को लेकर चति व्यक्त की जाती रही है। ऐसे में हमिालयीय पारस्थितिकिी की संवेदनशीलता को देखते हुए बाँधों के जलस्तर में वृद्धि गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है, जैसे हाल ही **मंदा देवी ग्लेशियिर के टूटने से तपोवन-वषि्णुगढ़ परयिोजना** के क्षेत्र में आपदा की स्थिति उत्पन्न हो गई थी।
- **भागीरथी नदी** पर नर्मिति टहिरी बाँध एवं जल वद्युित परयिोजना का संचालन टहिरी हाइड्रो पॉवर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन इंडयिा लमिटिेड द्वारा कयिा जा रहा है।
- इस परयिोजना द्वारा वर्ष 2006 से वद्युित उत्पादन शुरू कयिा गया था। टहिरी जलवद्युित परसिर (2400 मेगावाट) के तीन घटक हैं-
- टहिरी बांध एवं जलवद्युित परयिोजना (1000 मेगावाट)
- कोटेश्वर बांध एवं जलवद्युित परयिोजना (400 मेगावाट)
- टहिरी पंप स्टोरेज प्लांट (1000 मेगावाट)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tehri-dam